***निहाल ***

हुए एक नज़र से निहाल हम तो***
सपने हो गए साकार अब तो***
दिया ऐसा प्यार हमको***
हो गए हम न्योछावर सब कुछ***
देह का अभिमान टुटा***
दुनिया से ममत्व छुटा**
मुक्त हुए आसुरी संस्कारो से**
विष की आग्नि से बचे***
अमृत का रस पान किया**
दृष्टि जब तुम्हारी हम पर पड़ी**
आई अब अंतिम घड़ी***
घर चलने की उमंग बढ़ी***
आत्मा को शांति मिली***
शांति सागर से शक्ति मिली**
शांतिधाम सुखधाम में बुद्धि चली***
जीवन्मुक्ति की हुई आस अब पूरी**
नैनों से नैन मिले अश्रु की धारा बही***
प्रेम रस में मैं डूब गयी ***
आनन्द से हुई विभोर***
नाच उठा मन मयूर***
देह की विस्मृति होने लगी***
प्रभु प्यार में खोने लगी***

एक समान हो उड़ने लगी***
नज़र से निहाल हो महकने लगी***

ॐ शांति****